www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 21 | जौनपुर, शनिवार, 05 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का बल प्रयोग चिंताजनक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चार सितंबर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे को लेकर जंतर–मंतर पर विरोध ा कर रहे छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा किया गया बल प्रयोग 'परेशान करने वाला' और ''गंभीर चिंता का विषय'' है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधि ाकारियों से जिस निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, वह नदारद प्रतीत हुई। न्यायमूर्ति भुइयां ने पूर्व सचिव (सुरक्षा) यशोवर्धन आजाद की लिखी किताब 'पुलिसिंग द रिपब्लिक' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह कार्यक्रम राजधानी के वायसराय हॉल में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, ''जब हम भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों और आंदोलनकारियों पर बल प्रयोग करते हुए देखते हैं, तो हम सभी को बहुत निराशा होती है। यह देखना वाकई बहुत दुखद है।'' न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, ''पुलिस अधिकारियों से जिस तटस्थता की उम्मीद की जाती है, वह नदारद होती दिख रही है और यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है।''इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम, महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डी. शिवानंदन और अन्य लोग भी मौजूद रहे। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि बिना अत्याधिक बल प्रयोग किए या मानवाधिकारों का उल्लंघन किए बिना भी प्रभावी पुलिसिंग की जा सकती है।

सीवर में मौत पर 30 लाख मुआवजा दे सरकार

मुंबई,(एजेंसी)। चार सितंबर सिर पर मैला ढोने की प्रथा पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि भारत भले ही चंद्रमा तक पहुंच गया है, लेकिन जाति व्यवस्था का ''सामाजिक कलंक'' अब भी कायम है, जो कुछ नागरिकों को ''मानवीय गरिमा से नीचे'' का काम करने के लिए मजबूर करता है। उच्च न्यायालय ने ये टिप्पणियां महाराष्ट्र सरकार की उस नीति को रद्द करते हुए कीं, जिसमें खतरनाक सफाई कार्य के दौरान मारे गए श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी सोसायटियों और नियोक्ताओं पर डाली गई थी। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने पिछले सप्ताह पारित आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह ऐसे मृत श्रमिकों के आश्रितों को तत्काल मुआवजा दे। अदालत ने कहा कि इसके बाद सरकार जिम्मेदार निजी संस्थाओं या नियोक्ताओं से यह राशि वसूल सकती है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को छह महीने के भीतर उन सभी लोगों की पहचान करने का निर्देश दिया, जिनकी मौत ''खतरनाक सफाई कार्य'' के दौरान हुई है। यह कार्य मैला ढोने वालों के रूप में रोजगार के निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 की धारा 2(डी) के तहत परिभाषित है।

नवाचार से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेल्फी वीडियो साझा करते हुए उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को याद किया और आध ुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की विशिष्ट ज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप में नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले सभी गुरुजनों और शिक्षकों को वह शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई देते हैं। उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ज्ञान, साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश

दिया, जबकि सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। अयोध्या, मथुरा–वृंदावन और प्रयागराज भी सनातन ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की ज्ञान परंपरा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि करीब पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में महर्षि शुकदेव जी ने श्रीमद्भागवत का प्रथम वाचन किया था। वहीं नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों की साधना ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। इसी भूमि से आयुर्वेद, अध्यात्म, दर्शन और भारतीय ज्ञान–विज्ञान की महान परंपराएं विकसित हुईं सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के शिक्षक इसी गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार से जोड़कर नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति मंगलमय शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जयशंकर प्रसाद ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस में संबोधित करेंगे

बंगलूरू, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 26 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस में संबोधित करेंगे। यह संयुक्त राष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक मंचों में से एक है, जहां दुनिया के 193 देशों के नेता और प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपना पक्ष रखते हैं। जयशंकर पिछले साल भी संयुक्त राष्ट्र के मंच से दुनिया के नेताओं को संबोधित कर चुके हैं। इस बार उनका भाषण ऐसे समय होगा, जब कई देशों के बीच तनाव और संघर्ष जारी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र 8 सितंबर से शुरू होगा। उच्चस्तरीय आम बहस 22 से 28 सितंबर तक चलेगी। परंपरा के अनुसार 22 सितंबर को ब्राजील सबसे पहले संबोधित करेगा और उसके बाद अमेरिका का नंबर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से भाषण देंगे। यह उनके दूसरे कार्यकाल में महासभा को दिया जाने वाला दूसरा संबोध ान होगा। इस साल संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान कई महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठकें होंगी। इनमें विकास के अधि ाकार की घोषणा के 40 वर्ष पूरे होने पर बैठक, जलवायु कार्रवाई और न्यायपूर्ण बदलाव पर चर्चा शामिल है। समुद्र के बढ़ते जलस्तर से पैदा हो रहे गंभीर खतरों, महामारी से निपटने की तैयारी और परमाणु हथियारों के पूरी तरह खत्म किए जाने के अंतरराष्ट्रीय दिवस से जुड़ी बैठक भी होगी।

भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणबानंद के योगदान को शामिल किया जाएगा – सीएम शुभेंदु

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के स्कूलों के पाठ्यक्रम में भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणबानंद के योगदान को शामिल किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने कहा कि दोनों की भूमिका पश्चिम बंगाल के गठन में अहम रही थी। विभाजन के दौरान दोनों ने करोड़ों हिंदुओं की जान बचाने में भी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी और स्वामी प्रणबानंद के योगदान और बलिदान को विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। सरकार चाहती है कि छात्रों को उनके योगदान के बारे में जानकारी मिले। शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम को संबोधि ात करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम में दोनों के योगदान को जगह देगी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य की पिछली सरकार की नीतियों पर भी हमला बोला।

अयोध्या परिक्षेत्र के सभी जनपदों में पूर्ण हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रेंज मे आने वाले अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी,अमेठी एवं अंबेडकरनगर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा,भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर परिक्षेत्र के सभी जनपदों की रिजर्व पुलिस लाइन स्थित मंदिर प्रांगणों में भव्य सजावट की गई तथा विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।सभी जनपदों की रिजर्व पुलिस लाइन स्थित मंदिर प्रांगणों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियां दी गईं।इन भक्तिमय प्रस्तुतियों ने वहां उपस्थित जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिजनों एवं आम जनमानस को भक्तिभाव से अभिभूत कर दिया। इसी क्रम में जनपद अयोध्या,सुल्तानपुरअमेठी,अम्बेडकरनगर तथा बाराबंकी की पुलिस लाइन्स में भी भव्य सजावट कर मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं।सभी जनपदों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सपरिवार इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई तथा मध्य रात्रि में पूर्ण विधि–विधान व मंत्रोच्चारण के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के दृष्टिगत संपूर्ण परिक्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था के चाक–चौबंद प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल पर्यवेक्षण में संवेदनशील स्थानों व आयोजनों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।पुलिस कर्मियों के सहयोग एवं पुलिस प्रशासन की सतर्कता व मुस्तैदी के फलस्वरूप, अयोध्या परिक्षेत्र के सभी जनपदों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का यह पर्व पूर्णतया शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

18 बच्चों वाले विद्यालय को 171 तक पहुंचाने वाले शिक्षक पंकज द्विवेदी हुए राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित

–सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित।

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शिक्षक दिवस के अवसर पर गोरखपुर स्थित बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में अयोध्या के शिक्षक पंकज कुमार द्विवेदी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य अध्यापक पुरस्कार–2025 से सम्मानित किया।बताते चले कि कुछ वर्ष पहले जिस प्राथमिक विद्यालय ठेड़ा में महज 18 बच्चे पढ़ते थे,उनके मेहनत व लगन के चलते उसी विद्यालय में 171 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।मालूम हो कि प्रधानाध्यापक का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने विद्यालय को बेहतर बनाने के साथ–साथ अभिभावकों में शिक्षा के प्रति विश्वास पैदा करने के लिए लगातार प्रयास किए।15 फरवरी 2014 को विद्यालय का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने नौकरी की जिम्मेदारी और मिशन के रूप में कार्य किया।उन्होंने क्षेत्र में घर–घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पढ़ाई को रोचक एवं प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया।यहाँ तकनीकी संसाधनों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने अपने खर्च से चार स्मार्ट कक्षाएं तैयार कराईं।इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा मिलने लगी।विद्यालय में आने वाले बच्चों को केवल खानापूर्ति तक सीमित न रखकर उन्होंने उन्हें अपने घर के बच्चों की तरह पढ़ाया–लिखाया।यही प्रयास धीरे–धीरे विद्यालय में बच्चों की संख्या बढ़ने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का कारण बना।मूल रूप से काशी नाथपुर निवासी पंकज द्विवेदी ने एसएमबी इंटर कॉलेज से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। इसके बाद साकेत महाविद्यालय से स्नातक एवं परास्नातक तथा बीपीएड की पढ़ाई की।वर्ष 2009 में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में नियुक्त होने के बाद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं शुरू कीं। राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और शुभचिंतकों ने पंकज द्विवेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।पंकज द्विवेदी ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि उन सभी शिक्षा अधिकारियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के मार्गदर्शन एवं सहयोग का परिणाम है,जिनकी वजह से उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई।उन्होंने बताया कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी बच्चों की शिक्षा और विद्यालय के विकास के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षकों से देश की आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ऐसी पीढ़ी तैयार करें, जो वैज्ञानिक सोच विकसित करे और मानव कल्याण के लिए काम करे। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों में देश के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्र प्रथम की भावना पैदा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की पवित्र जिम्मेदारी विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनाना है। उनके मुताबिक, नैतिक सोच और व्यवहार के साथ सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थी शिक्षक की सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण होते हैं। राष्ट्रपति ने अपने लेख शेपिंग माइंड्सय बिल्डिंग द फ्यूचर में कहा कि जब माता–पिता और अभिभावक बच्चों को पढ़ने के लिए

शिक्षकों के पास भेजते हैं, तो वे उन पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्हें उम्मीद होती है कि शिक्षक बच्चों को अपने बच्चों की तरह समझेंगे और उनकी सुरक्षा तथा विकास का पूरा ध्यान रखेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि हर शिक्षक का धर्म है कि वह इस भरोसे को कायम रखे। शिक्षक का व्यवहार ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे बच्चों में डर, चिंता, हीन भावना या हौसला टूटने की स्थिति पैदा हो। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सामाजिक समावेश को केंद्र में रखते हुए विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षकों को ऐसी पीढ़ी तैयार करनी चाहिए, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का सम्मान करे, वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखे और मानवता के कल्याण के लिए काम करे। विद्यार्थी अंत्योदय के आदर्श को समझें, पर्यावरण और सभी जीव–जंतुओं की रक्षा करें तथा व्यक्तिगत और सामूहिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें। उन्होंने अपने शिक्षकों को याद करते हुए कहा कि एक स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी असीम क्षमता को जगा सकता है। राष्ट्रपति ने नागरिकों से भी ईमानदार और समर्पित शिक्षकों को सर्वोच्च सम्मान देने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत लगातार सीखता रहेगा और दुनिया का नेतृत्व करेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अच्छे शिक्षक बच्चों को खुद से सोचने के लिए प्रेरित करते हैं।

नई दिल्ली में डॉ. ज्ञान प्रकाश एवं अलका पांडेय की दो पुस्तकों का भव्य विमोचन सम्पन्न

नई दिल्ली,। नई दिल्ली के NDMC Convention Centre में रविवार को लेखिका एवं शिक्षाविद् अलका पांडेय तथा उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी एव नोडल अधिकारी धर्मार्थ कार्य विभाग/प्रभारी अधिकारी पर्यटन डॉ. ज्ञान प्रकाश द्वारा लिखित दो महत्वपूर्ण पुस्तकों 'सिद्धार्थनगर रू इतिहास के पन्नों से वर्तमान तक' एवं 'बुद्धपथ रू विरासत से वर्तमान तक' का भव्य विमोचन समारोह स्वामी चक्रपाणि महाराज जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिन्दू महासभा, माननीय उषा प्रियदर्शिनी जी, अध्यक्ष, हरियाणा राज्य महिला आयोग, माननीय कविता सुरेंद्र कुमार जैन जी, पूर्व विधायक, सोनीपत एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार, सुश्री सुधा रानी रेलंगी जी, केंद्रीय सूचना आयुक्त, श्री योगेश्वर दत्त जी, पूर्व भारतीय पहलवान एवं ओलंपियन, श्री श्री श्री 1008 जगतगुरु लामा घ्याछो रिनपोछे जी, बौद्ध धार्मिक गुरु द्वारा किया गया। विमोचन के इस अवसर पर श्री देवेंद्र पाठक अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवा धिकार ब्यूरो संगठन, आर्या वोरा प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं ब्लॉगर, सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सिद्धार्थनगर रू इतिहास के पन्नों से वर्तमान तक पुस्तक के विषय में बताते हुए डॉ प्रकाश अपर जिलाधिकारी एव नोडल अधिकारी धर्मार्थ कार्य विभाग ने बताया इस पुस्तक में सिद्धार्थनगर जनपद की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं भौगोलिक यात्रा को व्यापक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर, बौद्ध विरासत, सांस्कृतिक विविधता, कृषि, समाज, शिक्षा, उद्योग, पर्यटन तथा विकास जैसे विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया है। इसमें काला नमक चावल, पिपरा हवा स्तूप, म्युजियम आदि के वारे में बताया गया है। पुस्तक के माध्यम से सिद्धार्थनगर की उस पहचान को सामने लाने का प्रयास किया गया है, जहां इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं और भगवान बुद्ध की ज्ञान एवं करुणा की परंपरा के साथ–साथ वर्तमान समय में विकास की नई संभावनाएं भी दिखाई देती हैं। यह पुस्तक केवल गौरवशाली अतीत का दस्तावेज नहीं है, बल्कि सिद्धार्थनगर के वर्तमान स्वरूप और भविष्य की संभावनाओं को समझने का एक प्रयास भी है। जानी मानी शिक्षिका एव यू ट्यूब चौनल ज्ञानस्थली क्लासेस के माध्यम से यूजीसी नेट छात्रों को मार्गदर्शन देने वाली अलका पांडे ने डॉ ज्ञान प्रकाश के साथ लिखित पुस्तक 'बुद्धपथ रू विरासत से वर्तमान तक' के विषय में बताया कि यह पुस्तक भगवान बुद्ध के करुणा, शांति और धम्म के संदेश को केंद्र में रखते हुए सिद्धार्थनगर की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को प्रस्तुत करती है। पुस्तक में सिद्धार्थनगर से जुड़े ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों, बौद्ध विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक का उद्देश्य बुद्ध की विचारधारा तथा उससे जुड़ी विरासत को वर्तमान पीढ़ी के लिए सरल और प्रभावी रूप में सामने लाना है। "हमारा प्रयास है कि सिद्धार्थनगर की कहानी केवल दस्तावेजों और इतिहास के पन्नों तक सीमित न रहे, बल्कि लोगों तक पहुंचे, पढ़ी जाए, समझी जाए और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहे। यदि इन पुस्तकों के माध्यम से सिद्धार्थनगर की विरासत के प्रति किसी एक पाठक में भी जिज्ञासा और जुड़ाव पैदा होता है,

तो हम अपने प्रयास को सार्थक मानेंगे।"

लेखकों की लेखकीय पहल

अलका पांडेय जानी–मानी लेखिका एवं शिक्षिका हैं। शिक्षा, संस्कृति, इतिहास और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर उनका लेखन निरंतर सक्रिय रहा है।

वहीं डॉ. ज्ञान प्रकाश उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी हैं और प्रशासनिक अनुभव के साथ सामाजिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों में भी उनकी विशेष रुचि रही है। उन्हें विभिन्न मंचों से सम्मानित किया गया है जिसमें ग्लोबल इन्डिया बिजनेस फोरम द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिया गया है।

दोनों लेखकों ने इन पुस्तकों के माध्यम से सिद्धार्थनगर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया है। सुश्री सुधा रानी रेलंगी जी, केंद्रीय सूचना आयुक्त ने दोनों पुस्तकों की विषयवस्तु, शोधपरक दृष्टिकोण और सिद्धार्थनगर की विरासत को सामने लाने के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर की धरती इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध की विरासत की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र की अनेक ऐतिहासिक धरोहरें, पुरातात्विक स्थल, बौद्ध परंपराएं और सांस्कृतिक विशेषताएं आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचना आवश्यक है। इसी भावना से दोनों पुस्तकों के माध्यम से सिद्धार्थनगर के अतीत को वर्तमान से जोड़ने और उसकी विरासत को पुस्तक के रूप में संकलित कर पाठकों के सामने रखने का प्रयास किया गया है जो एक अत्यंत सराहनीय प्रयास है इस कार्य हेतु लेखकगण बधाई के पात्र हैं। श्री श्री श्री 1008 जगतगुरु लामा घ्याछो रिनपोछे जी, बौद्ध धार्मिक गुरु ने कहा नेपाल एव भारत सिद्धार्थ की साँझा विरासत है उसको इन पुस्तकों के माध्यम से प्रस्तुत करने का लेखक का प्रयास सराहनीय है उनका उद्देश्य केवल अतीत का वर्णन करना नहीं, बल्कि सिद्धार्थनगर की वर्तमान पहचान, पर्यटन की संभावनाओं और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता पर भी ध्यान आकर्षित करना है। दोनों पुस्तकों का प्रकाशन ज्ञानस्थली पब्लिकेशन , लखनऊ द्वारा किया गया है। पुस्तकें शीघ्र ही ऑनलाइन माध्यमों पर पाठकों के लिए उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर लेखकों ने अपनी साहित्यिक यात्रा में साथ देने वाले परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों एवं सभी स्नेहिल जनों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

बुनियादी सुविधाओं की कमी

रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया, उनमें से भी कई जगहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

रेलवे स्टेशनों की दुर्दशा वैसे तो किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अब उनकी बदहाली की विस्तृत तस्वीर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भी सामने रखी है। गैर–उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं स्वच्छता के हाल पर केंद्रित यह रिपोर्ट सभी 16 रेलवे जोनों के 512 ऐसे स्टेशनों के ऑडिट पर आधारित है। सीएजी ने स्टेशनों का चयन यात्रियों की आवाजाही और वहां से होने वाली कमाई को ध्यान में रखते हुए किया। उसने रेलवे डेटा, यात्री शिकायतों, यात्री प्रतिक्रियाओं, और रेलवे अधिकारियों के साथ मिल कर किए गए निरीक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। निष्कर्ष है कि 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशनों पर एक या अधिक न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी है। और समस्या केवल छोटे स्टेशनों पर ही नहीं, बल्कि बड़े, उच्च–राजस्व और अधिक यात्री आवाजाही वाले स्टेशनों पर भी उसी तरह मौजूद है। समस्या हैरू सुविधाओं का ना होना और जो सुविधाएं मौजूद हैं, उनकी नाकाफी क्षमता तथा उनका रखरखाव ठीक ना होना। रिपोर्ट के मुताबिक 188 स्टेशनों पर पेय जल के पर्याप्त नल उपलब्ध नहीं थे, जो रेल मंत्रालय के इस दावे का खंडन करता है कि ऐसी सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं। रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण खुद ही बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। यहां तक कि जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया है और जिन्हें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले स्टेशन समझा जाता है, उनमें से भी कई जगहों पर यात्रियों को पानी, पंखे, बैठने की जगह, शौचालय, और स्वच्छता की कमी आदि का सामना करना पड़ रहा है। सार है कि भारतीय रेलवे के पास मानदंड, फंड और निगरानी के ढांचे तो मौजूद हैं, लेकिन उनके जरिए अमल असमान बना हुआ है। कारण जवाबदेही के सिस्टम का अभाव है। इस कारण सुविधाओं को मानदंडों के अनुसार प्रदान नहीं किया जाता, कार्यों के पूरा होने में देर होती है, मौजूद सुविधाओं का रखरखाव नहीं किया जाता, और कमियों को समयबद्ध कार्य योजनाओं के जरिए दूर नहीं किया जाता है। और इन सबको लेते हुए ही भारत ष्विकसितष् होने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है!

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026द्27 के लिए ?12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु–अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025–26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि श्प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणालीश (वाईईएस–टेक) और श्वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टमश (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है। फसल बीमा के जरिए ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करना फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग–अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026द्27 में पीएमएफबीवाई के लिए ?12,200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो फसल बीमा और किसानों को सुरक्षा देने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। असम के नागांव जिले के चनखला गांव के रहने वाले छोटे किसान अनवर हुसैन अपने परिवार की आजीविका के लिए पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं। जब भारी बारिश से उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा, तो उन्हें अपने कर्ज चुकाने और अगली बुआई के लिए पैसे जुटाने को लेकर चिंता सताने लगी। अच्छी बात यह थी कि अनवर ने सिर्फ ?100 का मामूली प्रीमियम देकर श्प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाश (पीएमएफबीवाई) में अपना पंजीकरण कराया हुआ था। फसल के नुकसान का आकलन होने के बाद, उन्हें इस योजना के तहत ?50,600 का मुआवजा मिला। समय पर मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें नुकसान से उबरने, अपना कुछ कज चुकाने और अगले सीजन के लिए खेती का जरूरी सामान खरीदने में मदद मिली। इस मदद की वजह से, आर्थिक तंगी में फंसने के बजाय अनवर नए आत्मविश्वास के साथ खेती जारी रख पाए। आज, वह अपने गांव के दूसरे किसानों को भी अपनी फसल का बीमा कराने के लिए जोरदार तरीके से प्रोत्साहित करते हैं और कहते हैं कि पीएमएफबीवाई मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। पीएमएफबीवाई फसल के नुकसान के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा देता है और किसानों की आय को स्थिर करने में मदद करता है। यह आधुनिक खेती के तरीकों, फसल विविधीकरण और उत्पादन से जुड़े जोखिमों का सामना करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। पीएमएफबीवाई तय पात्रता शर्तों के आधार पर किसानों (जिसमें किराए पर खेती करने वाले और बटाईदार किसान भी शामिल हैं) को व्यापक फसल बीमा कवरेज देता है। किसानों के पास बीमा योग्य हित, जमीन के वैध दस्तावेज या पट्टे के समझौते या राज्य–विशेष की पहले से तय जरूरतों के अनुसार बुवाई के प्रमाण–पत्र होने चाहिए और उन्हें तय समय–सीमा के भीतर आवेदन करना होगा। जोखिम का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, पीएमएफबीवाई खेती से जुड़े सभी तरह के किसानोंकृचाहे उन्होंने ऋण लिया हो या नहींकृको कवर करता है। गैर–ऋणी किसान वे होते हैं जिन्होंने फसल के लिए कोई ऋण नहीं लिया है या जिनके पास नॉन–स्टैंडर्ड किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जुड़े ऋण हैं। वे फसल बीमा कवरेज के लिए पीएमएफबीवाई के तहत अपनी मर्जी से पंजीकृत कर सकते हैं। पिछले 10 सालों में, औसतन 50त्न किसानों ने गैर–ऋणी किसानों के तौर पर अपनी इच्छा से पंजीकरण किया है, जिससे इस योजना में किसानों का

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस–यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी–बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू–राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार–चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है। आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा–कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे–धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है। भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक

सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं। आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है। भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके।

महंगाई पर हाहाकार, सरकार का दावा कुछ और

गोपाल

सितंबर का महीना आते ही देश में पर्व–त्योहारों की शुरुआत भी हो जाती है। रक्षाबंधन तो महंगाई के बीच किसी तरह बीत गया। लेकिन अब गणेश चतुर्थी, तीज, नवरात्रि, करवा चौथ, दशहरा, दीपावली सारे अहम पर्व त्योहार लोगों को मनाने हैं। सवाल यही है कि जिस तेजी से महंगाई बढ़ी है, क्या उसके बाद त्योहारों की खुशियों पर आम आदमी का कुछ हक बचेगा, या त्योहार भी अब केवल अमीरों के लिए रहेंगे। क्योंकि इस बार सितंबर की शुरुआत होते ही महंगाई का चौतरफा वार भी शुरू हो गया है। ऊपर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राहत के दो बोल कहने की जगह किर्गिस्तान में बैठकर प्रवचन दे रहे हैं कि लोग विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, स्थानीय उत्पाद खरीदें। पाठक जानते हैं कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शीर्ष बैठक में शामिल होने के लिए नरेन्द्र मोदी गए हुए हैं। किर्गिस्तान से पहले वे उज्बेकिस्तान पहुंचे। लोग विदेश यात्रा न करें, ऐसी अपील करने से पहले मोदी थोड़ा इंतजार कर लेते कि खुद देश लौट आएं। लेकिन उन्हें अब इन सबकी कोई परवाह ही नहीं है।इस साल अब तक नरेन्द्र मोदी कम से कम 15 देशों की यात्रा कर चुके हैं। जब प.एशिया में अमेरिका और इजरायल की युद्ध नीति के कारण संकट बढ़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा का संकट गहराया, तब भी नरेन्द्र मोदी ने यही अपील की थी कि लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, विदेश न जाएं, सोना न खरीदें। हालांकि ऐसे उपदेश देकर वो खुद विदेश दौरे पर निकल गए थे और लोगों को चिढ़ाने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी भेंट कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी ग्लोबल की जगह लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का ज्ञान भी जनता को बांटते–फिरते हैं, लेकिन खुद उनके चश्मे, जूते, घड़ियां, गाड़ियां सब विदेशी रहते हैं। हर किसी के लिए गांधी बनना मुमकिन नहीं है कि आश्रम में रहें और अपने हाथ से काते हुए सूत के कपड़े पहनें। लेकिन गांधीजी किसी को ज्ञान नहीं देते थे, वो अपने जीवन में जिन मूल्यों पर यकीन रखते थे, उन्हें अपनाते थे, बाकी लोग उनका अनुसरण करते थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी सारा त्याग और समर्पण लोगों से मांगते हैं और खुद विदेशों में घूम रहे हैं।इस समय देश में महंगाई से लेकर शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी जैसे कई मुद्दों पर हाहाकार मचा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फिर से एक इंस्टाग्राम रील बनाकर कहा है कि देश खुशियों से भर गया है। दरअसल सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल–जून में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो के साथ लिखा 7.8 फीसदी की वृद्धि, मजबूत आंकड़े और उससे भी मजबूत भरोसा। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि दुनिया युद्ध, संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद उन्होंने श्वोकल फॉर लोकलश विदेश यात्रा करने से बचना चाहिए, सोना खरीदने से भी बचना चाहिए जैसा ज्ञान दिया। इस वीडियो में श्झूठ की गूंजश और शनिराशाश फैलाने वालों का जिक्र मोदी ने किया, जो साफ तौर पर राहुल गांधी के युवाओं से जुड़े श्छात्रों की गूंजश अभियान पर सीधा हमला है।मतलब अगर खुशी का मौका रहे, फिर भी नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी को कोसे बिना नहीं रह सकते, यह जाहिर हो गया। हालांकि इस जीडीपी वृद्धि की सच्चाई कुछ और ही है। देश में दूध–चीनी से लेकर प्याज और अंडे तक की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। ऊपर से तेल महंगा होने के बाद सामानों की आवाजाही भी महंगी होगी। 1 सितंबर से जेट फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की गई है, जिसमें रुपए 6.28 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब एटीएफ रुपए 115.00 से बढ़कर रुपए 121.28 प्रति लीटर हो गया है। इधर 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी रुपए 762 से बढ़कर रुपए 764 हुई। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई। चीनी 56 से लेकर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब रुपए 93 से सीधे 102 पहुंच गई है। 9 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर भी महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 2747.50 रुपये में मिलेगा। कुछ दिन पहले सीएनजी की कीमत करीब 4 रुपये बढ़ी थी।यानी एक तरफ महंगाई से आम जनता को राहत नहीं है, बल्कि शिकंजा और कस चुका है, वहीं नरेन्द्र मोदी बता रहे हैं कि देश में खुशियां हैं। असल में मोदी जमीनी हकीकत से बिलकुल अनजान हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसी पर लिखा कि लाइट्स, कैमरा और... कोई एक्शन नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में मोदी जी की पब्लिसिटी की कहानी कुछ ऐसी ही है। खड़गे ने बताया कि आम लोग बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेतहाशा असमानता के बोझ तले दबे हैं। बेरोजगारी 50 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। 40 प्रतिशत युवा ग्रेजुएट बिना नौकरी के हैं। जुलाई 2026 में 15 से 29 साल की उम्र के हर 6 में से 1 युवा भारतीय बेरोजगार था। हर साल 2 करोड़ नौकरियों का वादा टूट चुका है। समय और कैलेंडर खुदरा महंगाई 19 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर है। मिडिल क्लास परिवार किसी तरह गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और गरीबों ने उम्मीद छोड़ दी है और असमानता ब्रिटिश शासन से भी बदतर है। भारत की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत हिस्सा सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोगों के पास है। सबसे निचले 50 प्रतिशत लोग सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्से पर गुजारा करते हैं, जो शर्मनाक है। आपकी सरकार ने आजाद भारत के इतिहास में गरीबों से अमीरों की ओर संपत्ति का सबसे बड़ा ट्रांसफर किया है। बेहिसाब श्क्रोनी कैपिटलिज्मश (खास दोस्तों को फायदा पहुंचाने वाला पूंजीवाद) ही आपकी एकमात्र आर्थिक नीति है। खड़गे ने बताया कि आपकी सरकार ने 2014 से अब तक 16 लाख करोड़ से ज़्यादा के कॉर्पोरेट लोन माफ किए हैं। देश ने देखा है कि भारत के प्रधानमंत्री अपने एक खास दोस्त के लिए पर्सनल ट्रैवल एजेंट की तरह काम कर रहे हैं! भारतीयों को सोना न खरीदने और विदेश यात्रा न करने की आपकी बार–बार की नसीहतें जमीनी हकीकत दिखाती हैं।

देश की बाकी आबादी को भी सोचने मजबूर किया

अजीत द्विवेदी

चुनावी राजनीति का विमर्श बदल रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी भले राजनीतिक दल नहीं बनी है और बने तो हो सकता है कि कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन उसने देश के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। जंतर मंतर पर सीजेपी के आंदोलन ने एक नए विमर्श को जन्म दिया है, जिसमें एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी यानी श्ट्रिपल ईश केंद्र में हैं। इससे पहले राजनीति का विमर्श जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के इर्द गिर्द घूमता था। उसमें भ्रष्टाचार और विकास का मुद्दा भी जरुरत के हिसाब से शामिल होता था। लेकिन मुख्य रूप से सामाजिक समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और क्षेत्रीय भावनाओं या उप राष्ट्रीयता की भावना के इर्द गिर्द चुनाव का ताना बाना बुना जाता था। इसी आधार पर मुद्दे तय किए जाते थे, उम्मीदवारों का चयन होता था और नेताओं के भाषण होते थे। अब इसमें बदलाव आ रहा है। विमर्श के नए मुद्दे आ रहे हैं और नेताओं के भाषण बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपवाद हैं, जिनका भाषण अब भी बाबर, औरंगजेब, सालार गाजी या व्यापक रूप से मुस्लिम विरोध के इर्द गिर्द होता है। बहरहाल, देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ। युवा जिस अंदाज में अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे और बिना किसी शर्मिंदगी के प्रधानमंत्री तक को निशाना बना रहे थे वह एक पहलू है। उससे नेताओं और पार्टियों को लगा और यह सही भी है कि एक नई पीढ़ी अपनी खास पहचान के साथ राजनीतिक क्षितिज पर उभरी है। उसने जाति, धर्म, क्षेत्र और यहां तक कि लिंग की पहचान छोड़ दी है। उसे श्जेन जीच की पहचान दी गई और उसे एड्रेस करने की कोशिश शुरू हुई। मुश्किल यह है कि ज्यादातर नेता उनके आचार, व्यवहार, भाषा और सरोकार को नहीं समझते हैं। इसलिए उन्होंने श्जेन जीच को समझने का अपना एक स्टीरियोटाइप विकसित किया और उन्हें उसी से देखना शुरू किया। अगर नेता अपने परिवार में देखते और अपने बच्चों के व्यवहार से श्जेन जीच को समझने का प्रयास करते तो उनको पता चलता कि वे श्जेन जीच को लुभाने के लिए वे जो कर रहे हैं वह कितना पैथेटिक और ऑफ द मार्क है। श्जेन जीच को लुभाने के लिए नेता जो प्रयास कर रहे हैं उससे वे एक पूरी पीढ़ी को शर्मिंदा कर रहे हैं और खुद एक मूर्ख के रूप में उनके सामने प्रस्तुत हो रहे हैं। इसलिए उनको यह प्रयास बंद करना चाहिए और इस पीढ़ी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे या उनके सरोकारों को समझना चाहिए। यही बदलते राजनीतिक विमर्श का दूसरा पहलू है। वह मुद्दों और सरोकारों से जुड़ा है। वह सरोकार श्ट्रिपल ईश का है। तभी एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी पर युवाओं व देश के लोगों के सरोकारों को समझने की जरुरत है। दिल्ली से लेकर झारखंड और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र व बिहार तक ये ही मुद्दे अभी विमर्श का मुख्य विषय हैं। इसमें श्जेन जीच और श्जेन अल्फाच दोनों शामिल हैं। उनको अच्छी शिक्षा चाहिए, जिसके लिए वे दबाव डाल रहे हैं। इससे पहले बच्चों ने यानी छात्रों ने यह मुद्दा हाथ में नहीं लिया था। शिक्षा को वे अभिभावकों और शिक्षकों पर छोड़े हुए थे। स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, शिक्षक की कमी है, समय पर शिक्षक नहीं आते हैं, स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई का कैलेंडर फॉलो नहीं किया जाता है, समय पर परीक्षा नहीं होती है, परीक्षा होती है तो उसमें गड़बड़ी हो जाती है, इन तमाम मुद्दों पर छात्र आंदोलित नहीं होते थे। ले किन अब तस्वीर बदल गई है। अब स्कूली बच्चे भी ये मुद्दे उठा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने अभिभावकों के सामने नहीं, बल्कि सड़क पर उतर कर ये मुद्दे उठा रहे हैं। मजबूरी में नेताओं और राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर बात करनी पड़ रही है। अभी तो सिर्फ बात हो रही है और आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में आश्वासनों को पूरा भी करना होगा। दूसरा सरोकार एम्प्लायमेंट यानी नौकरी और रोजगार का है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेहतर जीवन स्तर के लिए या कमजोर आर्थिक तबके के लोगों के सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में ऊपर आने के लिए सम्मानजक नौकरी से बेहतर कोई और तरीका नहीं है। परंतु पिछले कुछ समय से अलग अलग कारणों से नौकरी और रोजगार दोनों में लगातार कमी होती जा रही है। इसका नतीजा नीति आयोग की रिपोर्ट में दिखाई दिया, जिसमें कहा गया है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई नौकरी कर रहे हैं। यानी कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इन 8.7 करोड़ युवाओं के अलावा इसी उम्र वर्ग के इससे कम से कम दोगुने युवा पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी व रोजगार हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। वे भी अब तक नौकरी आने का इंतजार करते थे और पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी या परीक्षा में धांधली या परीक्षा रद्द होने को नियति मान कर चुप बैठे रहते थे।

लेकिन अब उनकी चुप्पी टूटी है। जंतर मंतर के प्रदर्शन ने उनको रास्ता दिखाया है। वे नौकरी के हर विज्ञापन को बारीकी से देख रहे हैं। उसकी कमियां सामने ला रहे हैं। सरकारों पर दबाव बना रहे हैं कि वह नौकरी या दाखिले के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करें और उसका पूरी तरह से पालन करें। वैकेंसी बढ़ाने से लेकर परीक्षा कराने के तरीके पर छात्र सरकारों से बात कर रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक दशक में केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या सवा चार लाख से दोगुनी होकर साढ़े आठ लाख हो गई है। ऐसी ही स्थिति राज्य सरकारों की भी है। युवा अब इसको मुद्दा बना रहे हैं।

तीसरा सरोकार एनर्जी का है। शिक्षा और नौकरी तो आपस में जुड़े हुए हैं लेकिन एनर्जी उससे बिल्कुल अलग है। लेकिन यह भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा इसलिए बना है क्योंकि हाल की कई घटनाओं ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की कमजोरियों को जाहिर किया है। ईरान और अमेरिका की जंग ने आपूर्ति के संकट को उजागर किया तो इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी लोगों को मिली और इथेनॉल मिश्रण से खाद्यान्न संकट का जो दौर आएगा, उसकी भी एक झलक लोगों को मिली।

अगर शिक्षा व नौकरी ने युवाओं को आंदोलित किया तो ऊर्जा की बढ़ती कीमत, आपूर्ति के संकट, गाड़ियों के इंजन की परेशानी, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत और संभावित खाद्यान्न संकट ने युवाओं के साथ साथ देश की बाकी आबादी को भी सोचने पर मजबूर किया। इसका असर यह हुआ है कि सरकारें भी स्वच्छ ऊर्जा को लेकर गंभीर हुई हैं तो इथेनॉल मिश्रण को कम करने पर भी विचार हो रहा है। अगर ये सरोकार लंबे समय तक राजनीतिक विमर्श में टिकते हैं और चुनाव के नतीजों को प्रभावित करते हैं तो देश में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

मोहनलालगंज में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस के अनुसार सुबह करीब 7 बजे रेलवे स्टेशन मोहनलालगंज से फौती सूचना प्राप्त हुई कि किलोमीटर संख्या 1054/23 से 1054/25 के बीच, गेट संख्या 199ए स्थित पुरसैनी रेलवे क्रॉसिंग से करीब 50 मीटर की दूरी पर रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त सचिन कश्यप पुत्र राम खिलावन, उम्र करीब 25 वर्ष, निवासी गोपालखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में की। स्थानीय लोगों और परिजनों से पूछताछ में पता चला कि सचिन जेप्टो में डिलीवरी का काम करता था।प्रथम दृष्टया पुलिस को आशंका है कि युवक की किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीबीएयू की ई–लाइब्रेरी के प्रभावी उपयोग पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक शैक्षणिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग से परिचित कराने के उद्देश्य से बुधवार को 'हाउ टू यूज बीबीएयू ई–लाइब्रेरी वाया निम्बस डिस्कवरी टूल' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा–निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम में केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सुनील गोरिया और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. सैनी की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य वक्ता निम्बस की सपोर्ट टीम मैनेजर कनिष्का जिंदल रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों को निम्बस डिस्कवरी टूल के विभिन्न उपयोगों और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि निम्बस डिस्कवरी टूल एक एकीकृत खोज मंच है, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता प्राप्त तथा खुले स्रोत से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को एक ही मंच पर आसानी से खोजा और उपयोग किया जा सकता है। इसके जरिए विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक शोध पत्रिकाओं, ई–पुस्तकों, विभिन्न डेटाबेस, शोध प्रबंधों तथा अन्य शैक्षणिक एवं शोध संबंधी सामग्री तक सुविधाजनक तरीके से पहुंच बना सकते हैं।कनिष्का जिंदल ने बताया कि डिजिटल पुस्तकालय के संसाधनों का उपयोग केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं है। दूरस्थ पहुंच की सुविधा के माध्यम से विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक मोबाइल फोन सहित अन्य उपकरणों से भी आवश्यक शैक्षणिक एवं शोध सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। इससे शोध कार्य के लिए जरूरी सामग्री को कहीं से भी खोजने और पढ़ने में सुविधा मिलती है।

आलमबाग में किराये के कमरे में मिला युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। आलमबाग थाना क्षेत्र में किराये के कमरे से दुर्गंध आने पर पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो अंदर एक युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कानपुर रोड स्थित मवैया निवासी मकान मालिक अजय कुमार ने बुधवार को सूचना दी कि उनके मकान में किराये पर रहने वाले राजू पुत्र गंगाराम, उम्र करीब 36 वर्ष, का कमरा अंदर से बंद है और कमरे से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही आलमबाग पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाया तो अंदर तख्त पर करीब 36 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा मिला। प्रथम दृष्टया शव कई समय से पड़ा होने के कारण दुर्गंध आने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के परिजनों और वारिसानों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के साथ पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मृत्यु के कारणों का पता चलने के बाद आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छोटे भाई ने ही रची थी बड़े भाई की हत्या की साजिश, तीन गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)।। महिगवां थाना क्षेत्र में हुई सतीश यादव की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। डीसीपी उत्तरी की स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना महिगवां पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 17 वर्ष छह माह के एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस के अनुसार हत्या पारिवारिक संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद के चलते योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। मामले में वांछित एक अन्य आरोपी बलबीर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।पुलिस के मुताबिक 31 अगस्त की रात गनेशपुर स्थित प्लाटिंग क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान की छत पर चौकीदारी कर रहे सतीश यादव की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पिता शिव बालक की तहरीर पर थाना महिगवां में मुकदमा संख्या 137/2026, धारा 103(1)/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया था।घटना को चुनौती के रूप में लेते हुए डीसीपी उत्तरी की स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना महिगवां पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों की जांच तथा मुखबिर तंत्र के माध्यम से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान आनंद कुमार और 17 वर्ष छह माह का बाल अपचारी संदेह के घेरे में आए। पूछताछ और विवेचना में सामने आया कि मृतक के छोटे भाई बाल अपचारी ने दीपक रावत, रचित रावत, आनंद कुमार और बलबीर के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी।पुलिस के अनुसार योजना के तहत आरोपी गनेशपुर स्थित निर्माणाधीन मकान की छत पर पहुंचे, जहां सतीश यादव सो रहा था। आरोपियों ने सोते समय चाकू और लोहे की सरिया से कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

बक्शी का तालाब में ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान अभी नहीं हो सकी है।पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 12:27 बजे बक्शी का तालाब रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक ने थाना पुलिस को सूचना दी कि ट्रेन संख्या 15312 के सामने किलोमीटर संख्या 22/6 से 22/8 के बीच अचानक एक अज्ञात महिला आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही बीकेटी थाने से उपनिरीक्षक राजन सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। टीम में कांस्टेबल अंकित कुमार और महिला कांस्टेबल दीपा सिसोदिया भी शामिल थीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया, जहां रेलवे ट्रैक के पास महिला मृत अवस्था में पड़ी मिली।प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से महिला के सिर में गंभीर चोट आई थी और उसका एक हाथ कट गया था।

जौनपुर में आधी रात जन्मे नंदलाल, गूंजे जय कन्हैया लाल के जयकारे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को पूरे जनपद में श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। आधी रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही मंदिरों में घंटे–घड़ियाल और शंखनाद के बीच 'जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक किया और माखन–मिश्री, धनिया की पंजीरी व तुलसी दल का भोग लगाया। जन्माष्टमी का मुख्य आयोजन रिजर्व पुलिस लाइन परिसर स्थित मंदिर में हुआ। मंदिर को फूलों, रंग–बिरंगी झालरों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। यहां जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस परिवार के साथ विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और दीप प्रज्वलित किया। रात 12 बजे कान्हा के जन्म के बाद विशेष महाआरती हुई। एसएसपी कुंवर अनुपम सिंह एवं उनकी पत्नी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाल गोपाल का जलाभिषेक कर जिले की सुख–समृद्धि, शांति, सुरक्षा और आपसी भाईचारे की कामना की। इससे पहले रात आठ बजे से पुलिस लाइन परिसर में भजन संध्या का आयोजन हुआ। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को कृष्णमय कर दिया। पुलिस परिवार के बच्चों ने श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकियां, भक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कलाकारों की रासलीला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जन्मोत्सव की छटा को और दिव्य बना दिया। पुलिस लाइन परिसर में सजे मेले में बच्चों और लोगों ने खूब आनंद लिया। खाने–पीने की दुकानों के साथ खिलौनों की दुकानों पर भी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम में एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी समेत प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पुलिस परिवार के सदस्य मौजूद रहे। नगर के देवी मंदिर, प्रसिद्ध मैहर माता मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में भी आकर्षक झांकियां सजाई गई। स्वचालित झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों का प्रदर्शन किया गया। शाम से ही दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। मैहर माता मंदिर में भी मध्यरात्रि विशेष महाआरती हुई और भक्तों ने बाल कृष्ण के स्वरूप के दर्शन किए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जन्माष्टमी को लेकर उत्साह रहा। घरों में लड्डू गोपाल को झूले पर बैठाकर जन्मोत्सव मनाया गया। बच्चों ने राधा–कृष्ण का रूप धारण कर धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। आधी रात जन्मोत्सव के बाद मंदिरों और घरों में प्रसाद वितरण हुआ। पूरे जनपद में देर रात तक भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा।

गुरु ही शिष्य के जीवन को देता है सही दिशा – गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती और शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को शहर के एक होटल में गुरु श्रेष्ठ सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने करीब 300 सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृतिचिह्न और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने प्रत्येक शिक्षक के पास जाकर स्वयं सम्मान सामग्री भेंट की और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। गुरुजनों के प्रति उनके इस सम्मान भाव से समारोह का माहौल भावुक हो गया। समारोह को संबोधित करते हुए गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि शिक्षा कभी समाप्त नहीं होती और जीवन के हर चरण में गुरु का महत्व बना रहता है। गुरु अपने शिष्य को ज्ञान देने के साथ उसके व्यक्तित्व और भविष्य को सही दिशा प्रदान करता है। शिक्षक विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ अनुशासन, संस्कार, जिम्मेदारी और समाज के प्रति कर्तव्यबोध भी देते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि प्राथमिक से लेकर इंटरमीडिएट, बीएससी और विधि की पढ़ाई कराने वाले उनके कई शिक्षक आज उनके सामने मौजूद हैं। ऐसे गुरुजनों का सम्मान करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के पीछे शिक्षकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्यमंत्री ने कहा कि देश के विज्ञान, प्रशासन, न्याय, शिक्षा और राजनीतिक क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों के व्यक्तित्व निर्माण में उनके गुरुजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विद्यार्थी जब सफलता हासिल कर समाज के लिए उपयोगी बनता है तो उसमें उसके शिक्षकों के ज्ञान और संस्कारों की छाप होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारी पीजी कॉलेज मिहरावां के पूर्व प्राचार्य डॉ. सत्येंद्र प्रताप सिंह ने की और संचालन संतोष त्रिपाठी ने किया। इस दौरान डॉ. आरपी सिंह, उर्मिला सिंह, आनंद कुमार मौर्य, जनार्दन प्रसाद अस्थाना, लहुरी राम, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, चेयरमैन मनोरमा मौर्या समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपरिपक्व और बड़ी जिम्मेदारी के लायक नहीं, आकाश ने बदला अपना एक्स प्रोफाइल – मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। मायावती ने आकाश आनंद को राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व (मैच्योर) होने की बात कहते हुए पार्टी की किसी भी बड़ी जिम्मेदारी से दूर रखने का फैसला किया है। उन्होंने मान्यवर कांशीराम के सिद्धांतों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि जिस तरह उन्होंने अपने परिवार को केवल पार्टी कार्य की इजाजत दी थी, चुनाव लड़ाने या पद देने के खिलाफ थे। उसी संकल्प पर चलते हुए आकाश आनंद को भी केवल पार्टी में कार्य करने की अनुमति दी गई है। मायावती का मानना है कि आकाश आनंद को अभी और परिपक्वता की आवश्यकता है ताकि विरोधी दलों द्वारा साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडों के इस्तेमाल से पार्टी को होने वाले संभावित चुनावी नुकसान से बचाया जा सके। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ में पार्टी की ऑल–इंडिया स्तर की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन को मजबूत करने और ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी का रुख साफ करने संबंधी निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने पिछले कार्यों की समीक्षा की और सभी छोटे–बड़े पदाधिकारियों को कमियों को दूर कर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी के दिशा–निर्देशों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। कांशीराम जी के संघर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शोषित वर्ग को शासक वर्ग बनाना ही बहुजन मूवमेंट का मुख्य लक्ष्य है और इसके लिए सत्ता हासिल करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे में दिए गए बयानों का संज्ञान लेते हुए मायावती ने संघ की कथनी और करनी में भारी अंतर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया, जबकि आरक्षण, मुस्लिम व अन्य अल्पसंख्यक वर्गों की सुरक्षा और महिला अधिकारों के मामलों में आरएसएस के दावों में सच्चाई की कमी दिखती है। उन्होंने संघ को सलाह दी कि वह खुद भी बाबा साहेब के मानवतावादी व समतामूलक संविधान का ईमानदारी से पालन करे और अपने लोगों से भी इसका पालन करवाए।

15 पीएसी वाहिनी व पुलिस लाइन में होगी होमगार्ड भर्ती की पीईटी, 41424 पदों के लिए 8 सितंबर से होगा आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में होमगार्ड के 41424 पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) आठ सितंबर से प्रदेश के 15 केंद्रों पर होगी। इनमें 14 पीएसी वाहिनियां और एक पुलिस लाइन शामिल हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। पहली बार आयोजित हो रही इस परीक्षा में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग उपकरणों से दौड़ कराई जाएगी। पुरुष अभ्यर्थियों को 4.8 किलोमीटर की दौड़ 28 मिनट और महिला अभ्यर्थियों को 2.4 किलोमीटर की दौड़ 16 मिनट में पूरी करनी होगी। तय समय में दौड़ पूरी न करने वाले अभ्यर्थी उसी चरण में भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। परीक्षा बोर्ड द्वारा गठित समिति की निगरानी में होगी। इसमें जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित एसडीएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नामित चिकित्साधिकारी और पुलिस कमिश्नर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नामित डिप्टी एसपी शामिल होंगे। मैनुअल टाइमिंग की अनुमति नहीं होगी। सीसीटीवी कवरेज, इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग, पर्याप्त बैकअप और बायोमेट्रिक व्यवस्था से निगरानी की जाएगी।

शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं – कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर में भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक और पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा सिर्फ ज्ञान पाने का जरिया नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण का सबसे असरदार तरीका है। उन्होंने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं देता। वह उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने आगे कहा कि आज के तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और भी अहम हो गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक जानकारी तो दे सकती हैं, लेकिन संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास सिर्फ शिक्षक ही कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान और इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की अहमियत बताई और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान हमेशा सबसे ऊपर रहा है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध सिर्फ कक्षा तक ही नहीं रहता। शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और कई बार अभिभावक का रोल भी निभाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर सपा ने मनाई डॉ. राधाकृष्णन की जयंती, बाबू जगदेव प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक–शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। इसी अवसर पर सामाजिक न्याय और वंचित समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार आज भी समाज को ज्ञान, विवेक और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। शिक्षा समाज के विकास की बुनियाद है और समाजवादी विचारधारा सभी वर्गों तक समान शिक्षा पहुंचाने की पक्षधर है। पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि बाबू जगदेव प्रसाद ने सामाजिक असमानता, शोषण और अन्याय के खिलाफ जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों के अधिकार एवं सम्मान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वालों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस दौरान श्याम बहादुर पाल, गुलाब यादव रौठी, दीपक विश्वकर्मा, अजय मौर्य, लक्ष्मीशंकर यादव, वीरेंद्र यादव, दिलीप प्रजापति, अशोक यादव नायक, आनंद गुप्ता, गुड्डू सोनकर, मोहम्मद आमिर, रमेश मौर्य, रविन्द्र मौर्य और अमजद अंसारी समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राम मंदिर ट्रस्ट की नई टीम में सबका ख्याल रखने की कोशिश

लखनऊ, (संवाददाता)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नए स्वरूप में सिर्फ सदस्यों का विस्तार नहीं हुआ है, बल्कि इसकी संरचना में सामाजिक प्रतिनिधित्व का एक व्यापक संतुलन भी दिखाई देता है। ट्रस्ट की मूल पहचान और निर्णयों में संत समाज की केंद्रीय भूमिका बरकरार रखते हुए अब इसमें मातृशक्ति, पिछड़ा वर्ग, दलित और विधि क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों की मौजूदगी भी नजर आती है। इसे बदलते समय के साथ ट्रस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रस्ट की सबसे महत्वपूर्ण नई पहचान पहली महिला ट्रस्टी के रूप में सामने आई है। शिकोहाबाद की निर्मला यादव को जगह मिलने से पहली बार मंदिर के शीर्ष प्रबंधन में महिला भागीदारी सुनिश्चित हुई है। यह केवल महिला प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, बल्कि इसके साथ यादव यानी पिछड़े वर्ग की भागीदारी भी जुड़ती है। इस तरह एक ही नियुक्ति सामाजिक प्रतिनिधित्व के दो महत्वपूर्ण आयामों को सामने लाती है। ट्रस्ट में दलित प्रतिनिधित्व पहले से मौजूद है। डॉ. कृष्ण मोहन की मौजूदगी मंदिर आंदोलन से लेकर ट्रस्ट की संरचना तक सामाजिक समावेश के संदेश को रेखांकित करती रही है। अब महिला और पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधित्व के साथ ट्रस्ट की सामाजिक तस्वीर और विस्तृत होती दिखाई देती है। नई संरचना का एक और महत्वपूर्ण पहलू विधि और पेशेवर अनुभव है। वरिष्ठ अधिवक्ता व, परासरन के साथ अयोध्या के वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पांडेय को स्थान दिया जाना बताता है कि मंदिर से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक विषयों के लिए विशेषज्ञता को भी महत्व दिया जा रहा है। इस पूरी संरचना को देखें तो संत, महिला, पिछड़ा वर्ग, दलित, अधिवक्ता और प्रशासनिक प्रतिनिधित्व एक साथ दिखाई देता है।

3284 जूनियर असिस्टेंट अभ्यर्थियों का बड़ा प्रदर्शन, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में जूनियर असिस्टेंट भर्ती प्रक्रिया में देरी से नाराज 3284 अभ्यर्थियों ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव करने पहुंचे। हाथों में पोस्टर और मांगों से संबंधित संदेश लेकर पहुंचे अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी कराने, परिणाम घोषित करने और टाइपिंग परीक्षा कराने की मांग उठाई।प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि पीईटी–2023 के आधार पर जूनियर असिस्टेंट के 3284 पदों पर भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर अभ्यर्थियों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। अभ्यर्थियों ने कहा कि वे लंबे समय से परिणाम जारी होने और आगे की प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। अभ्यर्थियों के प्रदर्शन की सूचना मिलने पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर ही आयोग के अध्यक्ष से अभ्यर्थियों की बातचीत भी कराई, जिससे अभ्यर्थियों ने अपनी मांग सीधे आयोग के समक्ष रखी।अभ्यर्थियों ने आयोग के अध्यक्ष के सामने जल्द से जल्द परिणाम घोषित करने और टाइपिंग परीक्षा की तिथि निर्धारित करने की मांग रखी। उनका कहना है कि लिखित परीक्षा से संबंधित प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब भर्ती को अगले चरण में ले जाने में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल प्रमाणपत्र –सह–अंकपत्र, उत्तीर्ण वर्ष –2020 अनुक्रमांक 2277776 बयालसी इन्टर कालेज, जलालपुर, जौनपुर तथा इण्टरमीडिएट प्रमाणपत्र –सह–अंक पत्र, उत्तीर्ण वर्ष– 2022 अनुक्रमांक 2226692819 बयालसी इन्टर कालेज, जलालपुर, जौनपुर जो कि यात्रा में कहीं खो गया है, जिस किसी को भी मिले वो मुझे मेरे निम्न पता और मोबाइल नंबर पर सूचित करने का कष्ट करें।

निवेदक – आयुष उपाध्याय पुत्र दिनेश उपाध्याय
पता–ग्राम एवं पोस्ट–नेवादा
थाना–जलालपुर, जौनपुर
मोबाइल नंबर–8542060600

ग्रेटर नोएडा में कारफोर का पहला फ्लैगशिप स्टोर शुरू, उत्तर भारत में विस्तार की तैयारी

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय रिटेल ब्रांड कारफोर ने अपैरल ग्रुप के साथ साझेदारी में भारत में अपनी रिटेल यात्रा शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एच एंड एस मॉल, बुलेवार्ड वॉक में कारफोर के पहले फ्लेगशिप स्टोर का उद्घाटन किया गया। 50,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में फैला यह स्टोर भारत में कंपनी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्टोर में 15,000 से अधिक उत्पाद उपलब्ध हैं। इनमें ताजा उपज, किराना, बेकरी, घरेलू जरूरतों और पर्सनल केयर के सामान के साथ अंतरराष्ट्रीय उत्पाद भी शामिल हैं। स्टोर को भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अपैरल ग्रुप के अनुसार, ग्रेटर नोएडा का यह फ्लैगशिप स्टोर केवल शुरुआत है। आने वाले वर्षों में उत्तर भारत के विभिन्न शहरों में कारफोर की मौजूदगी का विस्तार करने की योजना है। इसके लिए आधुनिक सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स, तकनीक और स्थानीय साझेदारियों के माध्यम से मजबूत ओमनीचौनल रिटेल नेटवर्क विकसित किया जाएगा। एपीपीकॉर्प होल्डिंग के चेयरमैन और अपैरल ग्रुप के मालिक निलेश वेद ने कहा कि भारत में कारफोर का प्रवेश देश के रिटेल बाजार की संभावनाओं में कंपनी के विश्वास को दर्शाता है। वहीं, कारफोर के कार्यकारी निदेशक, इंटरनेशनल पार्टनरशिप पैट्रिक लासफार्गेस ने भारत को तेजी से विकसित हो रहे उपभोक्ता बाजारों में से एक बताते हुए कहा कि ग्रेटर नोएडा स्टोर देशभर में नेटवर्क विस्तार की दिशा में पहला कदम है। अपैरल ग्रुप और कारफोर का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय रिटेल विशेषज्ञता को भारतीय बाजार की स्थानीय समझ के साथ जोड़कर उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता, मूल्य और सुविधा उपलब्ध कराना है। कंपनियों की दीर्घकालिक योजना देशभर में रिटेल नेटवर्क का विस्तार करने के साथ उपभोक्ताओं, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और समुदायों के लिए नए अवसर तैयार करना है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' शनिवार को तहसील सवायजपुर में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता मे सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। फरियादियों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। जिलाधिकारी ने राजस्व एवं भूमि विवाद से संबंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर दोनों पक्षों की बात सुनें और नियमानुसार निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे विवादों का प्रभावी समाधान हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें मौके पर ही निस्तारित किया जाए।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों एवं प्रकरणों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच करते हुए नियमानुसार त्वरित कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित एवं फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी, उप जिलाधिकारी सवायजपुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ के पानी से मिली अज्ञात मछलियों के सेवन पर रोक

गोरखपुर, (संवाददाता)। नेपाल में आई बाढ़ के कारण गंडक नदी समेत विभिन्न नदियों में बाढ़ का पानी आने से कुछ क्षेत्रों में अज्ञात और असामान्य मछलियां मिलने की सूचना है। इनमें गूंच या गोइता कैटफिश जैसी प्रजातियां होने की संभावना जताई जा रही है। इन मछलियों की वैज्ञानिक पहचान विशेषज्ञों की ओर से की जा रही है। मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार गूंच मछली अपने आप में जहरीली नहीं है। इसे नेपाल से आई नई या विदेशी मछली मानना भी उचित नहीं है। फिलहाल मुख्य चिंता बाढ़ के पानी के साथ आई अज्ञात मछलियों की खाद्य सुरक्षा को लेकर है। बाढ़ के दौरान मछलियां दूषित पानी, सीवेज, मृत जीवों और अन्य प्रदूषकों के संपर्क में आ सकती हैं। इसलिए पहचान और खाद्य सुरक्षा संबंधी जांच पूरी होने तक बाढ़ के पानी से पकड़ी गई अज्ञात या असामान्य मछलियों की खरीद–बिक्री और सेवन नहीं किया जाना चाहिए। मत्स्य विभाग स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है। मछलियों की पहचान के साथ खाद्य सुरक्षा से संबंधित वैज्ञानिक जांच भी कराई जा रही है। विभाग ने सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने को कहा है। बाढ़ के पानी से मिली अज्ञात मछलियों की वैज्ञानिक पहचान और खाद्य सुरक्षा जांच पूरी होने तक इनके सेवन से बचना जरूरी है। गूंच मछली को जहरीली या विदेशी मछली मानना सही नहीं है।

अमेरिका निर्यात होने वाले कालीनों के साथ देना होगा ज्वलनशीलता का प्रमाण पत्र

भदोही, (संवाददाता)। अमेरिकी सरकार की ओर से कालीनों की ज्वलनशीलता को लेकर मांगे गए प्रमाण पत्र के नए प्रावधानों से भारतीय कालीन निर्यातकों को आने वाले दिनों में होने वाली संभावित समस्याओं को देखते हुए बुधवार को कालीन भवन में जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें अमेरिकी सरकार के नए नियमों का निर्बाध रूप से अनुपालन करने के तरीकों की जानकारी दी गई और निर्यातकों का मार्गदर्शन किया गया। इंटरटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और ऑल इंडिया कारपेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एकमा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में इंटरटेक इंडिया के मोहित राठौर ने अमेरिका की ओर से लागू किए गए नए अनुपालन नियमों और उत्पाद सुरक्षा के आवश्यक प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमों का अनुपालन न करने पर कालीन उद्योग को नुकसान हो सकता है। उन्होंने विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देते हुए कहा कि अब भारत से अमेरिका निर्यात किए जाने वाले कालीन की ज्वलनशीलता का प्रमाण पत्र भी साथ भेजना होगा। एकमा अध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता मुन्ना ने कहा कि ज्वलनशीलता प्रमाण पत्र को लेकर कालीन उद्यमियों को समय रहते सजग और अभ्यस्त होना होगा। सबसे पहले सभी को नए अनुपालन नियमों की पूरी जानकारी रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सभी कालीन उत्पादकों और निर्यातकों को इसके लिए पूरी तरह तैयार किया जाएगा, ताकि अमेरिका को माल भेजने में किसी तरह की परेशानी न हो।प्रश्नोत्तर सत्र में इंटरटेक के संजय कुमार और प्रसन्ना मिश्रा ने कालीन निर्यातकों के सवालों के जवाब दिए।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय बवां,अमानीगंज में हर्षोल्लास पूर्वक मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व शिक्षक दिवस का पर्व

अयोध्या। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बवां, अमानीगंज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस पर्व हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.अम्बिकेश त्रिपाठी,एसआरजी अयोध्या तथा डॉ. कपिलेन्द्र सिंह,एआरपी अमानीगंज उपस्थिति रहे।कार्यक्रम के दौरान शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महान दार्शनिक,शिक्षाविद् एवं भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आए डॉक्टर अंबेडकर त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन का माध्यम न मानकर चरित्र–निर्माण, संस्कार एवं मानवीय मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम माने।इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका साधना कुमारी सहित शिक्षक बजरंग बहादुर सिंह, पुष्पा सिंह एवं ऋचा उपाध्याय तथा समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।वही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनोहारी कृष्ण–लीला प्रस्तुत की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रिजर्व पुलिस लाइन सहित अन्य थानों में गूंजे कान्हा के भजन

अयोध्या। राम नगरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।जिले के पुलिस लाइन सहित अन्य थाना क्षेत्रों के अलावा स्कूलों सहित विभिन्न स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण के भजन–कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।इसी कड़ी में रिजर्व पुलिस लाइन अयोध्या में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में नन्हे–मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।वहीं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर जिला जज रणंजय कुमार वर्मा,एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,एसपी यातायात एपी सिंह,आईपीएस देवेश चतुर्वेदी, सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी, सीओ सदर प्रतीक कुमार, सीएफओ एमपी सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं पुलिस परिवार के सदस्य मौजूद रहे।इसके अलावा महिला थाना सहित अन्य प्रमुख थाना पर संबंधित सीओ, थानाध्यक्ष व अन्य पुलिस कर्मियों ने हर्षोल्लास पूर्वक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण में अयोध्या का रहा शानदार प्रदर्शन

अयोध्या।परख,एनसीईआरटी नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित 'परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण–2024' में जनपद अयोध्या ने कक्षा 6 एवं 9 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है।शानदार प्रदर्शन के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेशक गणेश कुमार ने जनपद अयोध्या की टीम को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।इस उपलब्धि पर जनपद अयोध्या की पूरी टीम को बधाई देते हुए आगामी परख सर्वेक्षण को लेकर कार्य योजना भी प्रस्तुत की गई।एससीईआरटी उत्तर प्रदेश, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अयोध्या की परख टीम ने आगामी सर्वेक्षण के लिए तैयार की गई कार्ययोजना और रणनीति प्रस्तुत की।अयोध्या की ओर से परख टीम में डायट अयोध्या के वरिष्ठ प्रवक्ता चंद्र भूषण पांडेय, प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रवक्ता राम चन्द्र यादव, एसआरजी डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी तथा जिला समन्वयक निपुण रॉबिन पाल शामिल रहे।टीम ने आगामी परख सर्वेक्षण में बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की।इस उपलब्धि पर बीएसए लालचंद ने पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान अयोध्या के शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग की टीम की मेहनत, समर्पण और बेहतर कार्ययोजना का परिणाम है।उन्होंने आगामी परख सर्वेक्षण में भी जनपद को उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ आगे ले जाने की उम्मीद जताई।

महिला थाना परिसर मे हर्षोल्लास पूर्वक मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

अयोध्या। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर महिला थाना परिसर में भी श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला।थाना परिसर में आयोजित भजन–कीर्तन कार्यक्रम में महिला थाना मे तैनात पुलिसकर्मियों ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर एक से बढ़कर एक भजन एवं भक्तिगीत प्रस्तुत किए।भजनों की मधुर धुनों से पूरा थाना परिसर ही नहीं,बल्कि आसपास का वातावरण भी भक्तिमय हो उठा।कार्यक्रम का शुभारंभ महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद महिला थाना में तैनात पुलिसकर्मियों ने भजन–कीर्तन का सिलसिला शुरू किया।

"राधे–राधे जपो चले आएंगे बिहारी,
मन में बसा लो कान्हा, मिट जाएगी हर बीमारी।"

जैसी भक्तिमय पंक्तियों ने माहौल को भावुक और आध्यात्मिक बना दिया।भक्ति गीतों के बीच ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो दिनभर कानून–व्यवस्था और जनसेवा की जिम्मेदारियों में जुटी महिला पुलिसकर्मियों ने कुछ पल के लिए खुद को पूरी तरह कान्हा की भक्ति में समर्पित कर दिया हो। श्रद्धा से भरे वातावरण में पुलिसकर्मियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया।इस अवसर पर महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौड़, प्रिया, सोनी सहित महिला थाना मे तैनात समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

बाढ़ से निपटने के लिए रखें सभी तैयारियां- डीएम

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को बाढ़ के दृष्टिगत सलोरी कछार का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में आमजन को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। नदी के किनारे क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। एनडीआरएफ की टीम लगातार भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रख रही है। सभी राहत शिविर क्रियाशील है। उन्होंने लोगो से अपील की कि यदि बाढ़ का पानी ज्यादा बढ़ता है, तो वे बाढ़ राहत शिविरों में शिफ्ट हो जाये। जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में नगर निगम को व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतीराज विभाग को साफ–सफाई की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही दवाओं का छिड़काव भी कराये जाने के निर्देश दिए गए है। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण खाना, पानी, प्रकाश, दवाओं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान बाढ़ एवं राहत कार्य से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया ललही छठ पर्व

प्रयागराज, (संवाददाता)। संतान की दीर्घायु, सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना का पर्व ललही छठ (हलषष्ठी) बुधवार को मनाया गया। प्रयागराज में ललही छठ का पावन पर्व बुधवार को पूरे विधि–विधान एवं श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही महिलाओं ने पूजन की तैयारियां शुरू कर दी थीं। विभिन्न स्थानों पर महिलाओं ने पूजा स्थल को सजाकर विधि–विधान से मां ललही छठ का पूजन किया और संतान के सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने घरों और आसपास के पूजा स्थलों पर एकत्र होकर पारंपरिक तरीके से पूजा–अर्चना के साथ सामूहिक रूप से पारम्परिक गीत गाते हुए पवित्र पूजन किया। पूजा के दौरान फल, मिष्ठान, पूजन सामग्री एवं अन्य प्रसाद अर्पित किए गए। महिलाओं ने धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा संपन्न कर एक–दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। महिलाओं ने संतान के उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार में सुख–शांति की प्रार्थना की। पर्व के दौरान पारंपरिक लोकगीतों और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी परंपराओं का भी निर्वहन किया गया। ललही छठ के अवसर पर पूरे जनपद में आस्था, परंपरा, वात्सल्य एवं पारिवारिक मंगलकामना का भाव प्रमुख रूप से देखने को मिला।।

जमीन दिलाने के नाम पर सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी से 19.20 लाख की ठगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। जमीन दिलाने के नाम पर सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी से 19.20 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्लॉटिंग की जमीन दिखाकर रुपये लेने के बाद आरोपियों ने न तो जमीन का एग्रीमेंट कराया और न ही बैनामा किया। रकम वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। एसएसपी के आदेश पर गुलरिहा पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुशीनगर के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 निवासी जगदीश प्रसाद गुप्ता वर्ष 2019 में स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। तहरीर के मुताबिक, परिचित दयाशंकर सिंह ने उनकी मुलाकात दाऊदपुर निवासी राहुल श्रीवास्तव से कराई। दोनों ने बताया कि वे चित्रांश कालोनाइजर के नाम से गोरखपुर में कई जगह प्लॉटिंग करा रहे हैं। इसके बाद गुलरिहा के सरैया में भी प्लॉटिंग की जमीन दिखाई गई। जगदीश प्रसाद का आरोप है कि भरोसा होने पर उन्होंने वर्ष 2019 में अपने और पत्नी के बैंक खातों से अलग–अलग तारीखों में चेक के जरिए 24 लाख रुपये और 1.20 लाख रुपये नकद दिए। राहुल श्रीवास्तव को गुलरिहा स्थित स्टेट बैंक की शाखा के खाते में रकम मिली जबकि मनीष निषाद और दयाशंकर सिंह ने भी रुपये लिए। आरोप है कि कई बार जमीन दिखाई गई लेकिन किसी भी जमीन का एग्रीमेंट या बैनामा नहीं कराया गया। रकम वापस मांगने पर आरोपी अलग–अलग बहाने बनाकर टालते रहे। पीड़ित के मुताबिक, राहुल श्रीवास्तव बाद में मोबाइल बंद कर गायब हो गया।

बाढ़ से पहले पता चलेगा कौन सा इलाका डूबेगा, 3डी डिजिटल ट्विन से होगी तैयारी

वाराणसी, (संवाददाता)। काशी में अब बाढ़ आने के बाद राहत और बचाव की तैयारी करने के बजाय संभावित खतरे का आकलन पहले ही करने की कवायद शुरू हो गई है। थ्री–डी अर्बन स्पेशियल डिजिटल ट्विन के जरिये जलस्तर बढ़ने पर कौन से इलाके प्रभावित हो सकते हैं, कहां पानी भर सकता है और कितने घर इसकी चपेट में आ सकते हैं, इसका पूर्व आकलन किया जा सकेगा। प्रशासन इसी जानकारी के आधार पर राहत शिविर, बचाव दल और जरूरी संसाधनों की तैनाती की रणनीति तैयार कर सकेगा।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. सदानंद गुप्ता ने बताया कि बाढ़ जैसी आपदा में समय पर सटीक जानकारी मिलना राहत और बचाव के लिए महत्वपूर्ण है। थ्री–डी डिजिटल ट्विन और जीआईएस तकनीक के जरिये संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पूर्व आकलन कर पहले से रणनीति तैयार की जा रही है। इससे जरूरत के अनुसार संसाधनों की तैनाती भी की जा सकेगी। स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक अमरेंद्र तिवारी के अनुसार, काशी के करीब 160 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की थ्री–डी मैपिंग की गई है। इसमें 100 से ज्यादा थीमैटिक लेयर शामिल हैं। डिजिटल मॉडल के जरिये जलस्तर बढ़ने की स्थिति में संभावित रूप से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है। इसके साथ ही किन स्थानों पर पानी भर सकता है और कितने घर प्रभावित हो सकते हैं, इसका भी पूर्व आकलन किया जा सकेगा। इससे प्रशासन बाढ़ की स्थिति से पहले ही राहत और बचाव की योजना तैयार कर सकेगा।

नागा बाबा और उड़िया आश्रम तक पहुंचा गंगा का पानी, 78 मीटर के पार जलस्तर

भदोही, (संवाददाता)। गंगा के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई है। केंद्रीय जल आयोग के सीतामढ़ी मीटर गेज पर बुधवार शाम छह बजे जलस्तर 78.110 मीटर दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक है। बाढ़ का पानी इटहरा के पश्चिम वाहिनी गंगा तट स्थित नागा बाबा आश्रम के समीप पहुंच गया है। वहीं, सीतामढ़ी स्थित उड़िया बाबा आश्रम की नींव तक पानी पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती और कटान प्रभावित गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। जिले में गंगा के जलस्तर में पिछले कई दिनों से उतार–चढ़ाव जारी है। मंगलवार को पहले जलस्तर स्थिर रहा और बाद में करीब 20 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई थी। प्रदेशभर में हो रही भारी बारिश का पानी गंगा में पहुंचने के बाद बुधवार सुबह से जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। करीब चार से पांच सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी होने के कारण जलस्तर 78 मीटर के पार पहुंच गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।